



Paper Code

BSCT-202

Roll No.

Signature of Invigilator

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May – 2019

B.Sc. Yoga Science (Semester : Second)

Yoga Science

Patanjala Yoga Darshana

Time: 3 Hours

Max. Marks: 70

Note: This paper is of seventy (70) marks divided into three (03) sections A, B, and C. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section - A / खण्ड-क

(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'A' contains five (05) long-answer-type questions of fifteen (15) marks each. Attempt any three questions. (3×15=45)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. योगसूत्र के प्रणेता का परिचय देते हुए, योग सूत्र की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।
Introduce the master of yoga sutras and describe the subject matter of the Yoga Sutras.
2. महर्षि पतंजलि के अनुसार "अष्टांग योग" की विस्तृत व्याख्या कीजिए।
According to Maharishi Patanjali explain the "Ashtanga Yoga" in detail.
3. 'चित्त की अवधारणा' एवं 'चित्त वृत्तियों' का वर्णन करते हुए 'चित्त प्रसाधन' के उपाय बताइए।
Explain the concept of 'Chitta' and also describe 'Chitta Vritti' and give different methods of 'Chitta Prasadhan'.
4. ईश्वर की अवधारणा और ईश्वर के गुण एवं ईश्वरप्रणिधान के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
Explain the concept of God and attributes of God and "Godpranidhan" and its importance.
5. "सम्प्रज्ञात" और "असम्प्रज्ञात समाधि" का विस्तार से वर्णन करें।
Describe "Sampragyat Samaadhi and Asampragyat Samaadhi" in detail.

Section - B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु-उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Six (06) short-answer-type questions of five (05) marks each. Attempt any four (04) questions. (4×5=20)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. "अभ्यास" एवं "वैराग्य" का वर्णन कीजिए।
Describe "Abhyas" and "Vairagya".
2. सहविक्षेप का तात्पर्य एवं सविस्तार व्याख्या कीजिए।
Write the meaning of Sahvikshep and describe briefly.
3. चित्त का परिचय देते हुए उसकी भूमियों का वर्णन कीजिए।
Introduce the chitta and describe the Chitta Bhoomi.
4. महर्षि पतंजलि के अनुसार "कर्म" के प्रकार बताइए।
According to Maharishi Patanjali the types of "Karma".

5. निद्रा व स्मृति वृत्ति के क्लिष्ट एवं अक्लिष्ट स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Describe the complex and simple nature of nidra and smriti.

6. योगसूत्र के अनुसार “प्राणायाम” के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

According to the yoga sutras, describe the types of “Pranayama”.

Section - C / खण्ड-ग

(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note: Section 'C' contains ten (10) objective-type questions of half (0.5) mark each. All the questions of this section are compulsory. (10×0.5=05)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा (0.5) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. चित्त की चौथी वृत्ति है

(अ) प्रमाण

(ब) विकल्प

(स) विपर्यय

(द) निद्रा

The fourth vritti of the Chitta

(A) Pramaan

(B) Vikalp

(C) Viparyay

(D) Nidra

2. अनात्म को आत्म मानना है

(अ) वृत्ति

(ब) दुःख

(स) मुक्ति

(द) अविद्या

The self of infinity feels.....

(A) Vritti

(B) Sadness

(C) Mukti

(D) Avidya

3. यम मुख्य रूप से जीवन के किस पक्ष से सम्बन्धित है

(अ) सामाजिक पक्ष

(ब) व्यक्तिगत पक्ष

(स) लौकिक पक्ष

(द) अलौकिक पक्ष

Yama is primarily related to which side of life

(A) Social side

(B) Personal side

(C) Temporal side

(D) Supernatural side

4. अहिंसा का पालन करने से प्राप्त फल है

(अ) सब प्राणी प्रेम का त्याग कर देते हैं

(ब) सब प्राणी वैर-भाव का त्याग कर देते हैं

(स) सब प्राणी धनी हो जाते हैं

(द) सब प्राणी माँस - मदिरा का त्याग कर देते हैं

The result obtained from following non-violence is the result

(A) All prani abandon love

(B) All prani abandon the spirit of arrogance

(C) All prani become rich

(D) All the prani sacrifice meat – alcohol

5. महर्षि पतंजलि के अनुसार आसन 'अष्टांग योग' का अंग है

(अ) चौथा

(ब) तीसरा

(स) पाँचवा

(द) दूसरा

According to Maharishi Patanjali, Asana is a part of 'Ashtanga Yoga' ...

(A) Fourth

(B) Third

(C) Fifth

(D) Second

6. “परिणामत्रय” नहीं है

(अ) विभूति परिणाम

(ब) अवस्था परिणाम

(स) लक्षण परिणाम

(द) धर्म परिणाम

Is not “Parinaamtray”

(A) Vibhuti parinaam

(B) Awashtha parinaam

(C) Lakshan parinaam

(D) Dharm parinaam

7. सिद्धि के निमित्त कारण हो सकते हैं

(अ) समाधि

(ब) मंत्र

(स) तप

(द) उपरोक्त सभी

There can be reason for the Nimitta of Siddhi

- (A) Samaadhi (B) Mantra
(C) Tapa (D) All of the above

8. 'अणिमा' आदि सिद्धियों की संख्या है

- (अ) पाँच (ब) छः
(स) आठ (द) नौ

'Anima' etc is the number of Siddhis

- (A) Five (B) Six
(C) Eight (D) Nine

9. 'निद्रा वृत्ति' मूलतः किस गुण पर आश्रित है

- (अ) राजसिक (ब) तामसिक
(स) सात्त्विक (द) राजसिक व तामसिक

'Nidra Vritti' is basically dependent on which properties

- (A) Rajsik (B) Taamsik
(C) Satvik (D) Rajshik and Taamsik

10. 'अष्टांग योग' का वर्णन 'योग सूत्र' के किस पाद के अन्तर्गत किया गया है

- (अ) साधन पाद (ब) विभूति पाद
(स) कैवल्य पाद (द) समाधि पाद

'Ashtang Yog' is described under which part of the 'yoga sutra'

- (A) Sadhan Pad (B) Vibhuti Pad
(C) Kaivaly Pad (D) Samaadhi Pad

-----X-----